जीवन वृत्त

1. नाम	–	भोपाल सिंह
2. वर्तमान पद	–	महानिदेशक, राजविअ
3. कार्यालय का पता	–	राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, 18-20, सामुदायिक केन्द्र, साकेत, नई दिल्ली-110017
ई-मेल	–	dg-nwda@nic.in, bhopal_singh@yahoo.com
दूरभाष संख्या (मो.)	–	011-26519164 / 41033995 / (09910301746)
4. जन्म तिथि	–	8 जुलाई, 1965
5. राष्ट्रीयता	–	भारतीय
6. कार्य के मुख्य क्षेत्र	–	जल विज्ञान, पर्यावरणीय बहाव, जल संसाधन ढ़ांचों की डिजाइनिंग और आयोजना, अंतर राज्यीय मुद्दे आदि।

7. शैक्षिक योग्यताएं

क्रं.सं.	डिग्री	संस्थान / बोर्ड	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	विषय
1	एम.ई.	रूड़की विश्वविद्यालय	1995	प्रथम श्रेणी प्रावीण्य*	जल विज्ञान
2	बी.टेक	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	1986	10 प्वाइंट स्केल पर सीजीपीए 7.96	सिविल इंजीनियरिंग

कुलपति द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित।

8. व्यावसायिक अनुभव

क्रं. सं.	कार्यालय / संस्थान	धारित पद	से	तक	स्केल	दायित्वों की प्रकृति
1.	राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण	महानिदेशक	27 जनवरी 2020	अभी तक	लेवल-15	देश में जल संसाधनों के ईष्टतम उपयोग के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एन.पी.पी) के अनुसार देश में नदी जोड़ कार्यक्रम का संचालन।
2.	यू.जी.बी.ओ, केन्द्रीय जल आयोग	मुख्य अभियंता	14 नवम्बर 2017	27 जनवरी 2020	लेवल-14	गंगा तथा इसकी सहायक नदियों के जल विद्युत मौसम विज्ञानी (हाइड्रोमीटरोलोजिकल) आंकड़ों के पर्यवेक्षण का प्रबंधन, बेसिन में महत्वपूर्ण स्थलों पर बाढ़ चेतावनी / पूर्वानुमान, नदी की रूपात्मक विशेषताओं तथा जल गुणवत्ता की मॉनीटरिंग, संकलन, बेसिन के जल विद्युत मौसम विज्ञानी आंकड़ों को एकत्र तथा प्रसार करना, पर्यावरणीय बहाव की मॉनीटरिंग और प्रबंधन, सिंचाई का मूल्यांकन और मॉनीटरिंग, बेसिन में सी.ए.डी एवं डब्लयू.एम तथा

						आर.आर.आर परियोजना, बेसिन की जल संसाधन सूचनाओं का संकलन, बेसिन की यील्ड का पुन:निर्धारण आदि, राज्य प्राधिकारियों के साथ सहयोग एवं संपर्क।
3.	एच.आर.एम., केन्द्रीय जल आयोग	मुख्य अभियंता	1 नवम्बर 2016	5 नवम्बर 2017	लेवल-14	आयोग के प्रशासनिक और स्थापना संबंधी मामलों नीतियों को संभालना, ई-भविष्य, ई-एचआरएमएस, ई-ऑफिस आदि जैसे ई-गवर्नेंस कार्यक्रमों का क्रियान्वयन, संगठन का पुनर्गठन, संगठन में आवश्यक आयोजना तथा क्रियान्वयन प्रशिक्षण, विभिन्न मुद्दों पर मंत्रालय के साथ संपर्क बनाए रखना।
4.	एच.एस.ओ., केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली	निदेशक	अगस्त 2008	31 अक्टूबर 2016	पीबी-4 37400-67000 ग्रेड पे 10,000 (24.5.2010 से आगे) ग्रेड वेतन 8700 23.5.2010 तक	जल विज्ञानी दृष्टि कोण से जल संसाधन परियोजनाओं की पूर्व संभाव्यता रिपोर्टों/ विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की जांच करना तथा उनके जल विज्ञानी पैरामीटर को अंतिम रूप देना। केन्द्रीय जल आयोग, जल संसाधन नदी विकास व गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा सौंपे जाने पर या परामर्श आधार पर विभिन्न परियोजनाओं को विस्तृत जल विज्ञानी अध्ययन। एचपी-II के अंतर्गत जल विज्ञानी डिजाइन ऐड्स (एसडब्ल्यू) का विकास। देश में विभिन्न नदी बेसिनों के लिए पीएमपी एटलस तैयार करने के लिए परियोजना का क्रियान्वयन। ड्रिप के अंतर्गत या राज्यों द्वारा संदर्भित परियोजनाओं के डिजाइन बाढ़ अध्ययनों की समीक्षा। विभिन्न परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय बहाव मूल्यांकन।
5.	मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन निदेशालय, केन्द्रीय जल आयोग, शिमला	निदेशक	जुलाई 2006	अगस्त 2008	14300-400-18300 (पूर्व संशोधित)	हिमाचल प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं का मूल्यांकन और मॉनीटरिंग। हिमाचल प्रदेश में जल संसाधनों के विकास और प्रबंधन में राज्य सरकार की सहायता करना। स्नोमेल्ट रनऑफ अनुमान जारी करने के लिए सभी हिमालयी

						नदियों तक स्नोंहाइड्रोलॉजी के विस्तार, संकलन, मान्यकरण, आंकड़े एकत्र करने सहित स्नो हाइड्रोलॉजी अध्ययन। संतुलन बेसिन में हाइड्रोलॉजी मीटियोरोलोजिकल आंकड़े एकत्र करना, मान्यकरण करना, संकलन करना और बाढ़ चेतावनी विकास प्रणाली का विकास करना।
6.	एच.एस.ओ, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली	उप निदेशक	मई 2006	जुलाई 2006	12000-375-18000 (पूर्व संशोधित)	जल विज्ञानी दृष्टिकोण से जल संसाधन परियोजनाओं की जांच करना।
7.	वाप्कोस (ई.) लिमिटेड गुड़गांव, नई दिल्ली	उप मुख्य अभियंता	मई 2001	अप्रैल 2006	14300-400-18300 (पूर्व संशोधित)	जल संसाधन विकास से संबंधित व्यवसाय प्रस्ताव तैयार करना। गोदावरी बेसिन का जल विज्ञानी अध्ययन, जीएलआईएस तथा अन्य कई अध्ययन। अंत उपयोग इंफ्रास्ट्रकचर विकास (सिंचाई) जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान में आमिर गाजी बांध एवं क्वारघा जलाशय परियोजना का पुनर्वास अध्ययन। तीस्ता बेसिन की वहन क्षमता अध्ययन, नागार्जुनसागर पुच्छ ताल बांध का बांध टूट विश्लेषण और आपदा प्रबंधन योजना तैयार करना।
8.	एन.बी.पी, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली	उप निदेशक	दिसम्बर 1995	अप्रैल 2001	10,000-325-15200 (पूर्व संशोधित)	सरदार सरोवर बांध एवं नर्मदा मुख्य नहर पर परामर्शी सेवाएं, साबरमती कैनाल साइफन की आयोजना एवं डिजाइनिंग, सौराष्ट्र ब्रांच कैनाल फाल, एनएमसी पर कैनाल इस्केप, कच्छ ब्रांच कैनाल, इंदिरा सागर पावर हाउस, टिहरी बांध के बांया तट पर शाफ्ट स्पिलवे।
9.	आईआईटी, रूड़की	प्रशिक्षु अधिकारी/ सहायक निदेशक/ उप निदेशक, आईआईटी	जुलाई 1994	दिसम्बर 1995	7-04-95 से 10000-325 - 15200 (पूर्व संशोधित) से 6-04-95 तक 2200-75-2800-100-4000	हाइड्रोलॉजी पर विभिन्न कोर्स, नर्मदा बेसिन के हाइड्रोलॉजिकल अध्ययनों पर विस्तृत रिपोर्ट ''एल मोमेंटस का उपयोग करते हुए बाढ़ तीव्रता पर निबंध।
10.	एन.बी.पी., केन्द्रीय जल	सहायक निदेशक	मार्च 1989	जुलाई 1994	2200-75-2800-100-	विभिन्न आयोजना, ले आउट तथा डिजाइन मुद्दों को शामिल

	आयोग, नई दिल्ली				4000 (पूर्व संशोधित)	करते हुए सरदार सरोवर परियोजना की नर्मदा मुख्य नहर प्रणाली पर परामर्श कार्य। एनएमसीके क्रॉस ड्रेनेज निर्माण की डिजाइनिंग तथा सरदार सरोवर परियोजना के कैनाल हेड पावर हाउस की डिजाइनिंग।

9. प्रशिक्षण / सम्मेलन / कार्यशाला / सेमिनार का नाम जिनमें भाग लिया।

(क) भारत

क्र.सं.	प्रशिक्षण/कार्यशाला का विषय	स्थान	वर्ष एवं अवधि
1	हिमाचल प्रदेश में पर्यावरणीय भू-जोखिम प्रबंधन तथा शमन रणनीति	मंडी	4-5 जून, 2007
2	जल संसाधन परियोजनाओं का निष्पादन मूल्यांकन	एनडब्ल्युए, पुणे	10-12 नवम्बर, 2007
3	एस.ए.एस.ई. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हिम विज्ञान कार्यशाला	चंडीगढ़	11-12 जनवरी, 2008
4	जल, पर्यावरण, ऊर्जा एवं सोसाइटी (डब्ल्यू.ई.ई.एस-2009) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	नई दिल्ली	12-16 जनवरी, 2009
5	''प्रोद्योगिकी उन्नयन और बेहतर प्रचालन एवं रखरखाव के माध्यम से सिंचाई परियोजनाओं की क्षमता में सुधार'' पर आईसीआईडी का 5वां क्षेत्रीय सम्मेलन।	नई दिल्ली	9-11 दिसम्बर, 2009
6	ऊष्ण कटिबंधीय चक्रवात पर डब्ल्युएमओ/ ईएससीएपी चैनल का 38 वां सत्र।	नई दिल्ली	5 जून, 2011
7	''बांध सुरक्षा तथा इन स्ट्रीम भंडारण के लिए पियानों की वियर'' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।	नई दिल्ली	30 मई, 01 जून, 2012
8	''जलाशय में अवसादन'' पर सेमिनार	नई दिल्ली	21 दिसम्बर, 2012
9	''ई वाटर सोर्स'' पर प्रशिक्षण	नई दिल्ली	18-22 मार्च, 2013
10	''अनुशासनात्मक कार्यवाही'' पर प्रशिक्षण	आईएसटीएम, नई दिल्ली	5-8 अगस्त, 2013
11	''स्टार्म एनालसिस तथा पीएमपी एटलस'' पर प्रशिक्षण	नोएडा	19-23 मई, 2014
12	आई.आई.आर.एस., देहरादून द्वारा आयोजित ''जल संसाधनों में दूरस्थ संज्ञान और जी.आई.एस. अनुप्रयोग'' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	देहरादून	19-23 अगस्त, 2014
13	''ऊष्ण कटिबंधीय पारिस्थितकी कांग्रेस-2014''	जेएनयू, नई दिल्ली	10-12 दिसम्बर, 2014
14	इंटरनेशनल रीवर इंटरफेस सहयोग (आर.आई.सी.) सॉफ्टवेयर	आईआईटी, दिल्ली	1-3 दिसम्बर, 2015
15	दूसरा राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मलेन	आईआईएससी, बंगलूरू	12-13 जनवरी, 2016
16	प्रबंधन विकास कार्यक्रम	यशादा, पुणे	8-12 फरवरी, 2016
17	19 वीं अंतर्राष्ट्रीय नदी संगोष्ठी	नई दिल्ली	12-14 सितम्बर, 2016
18	जल संसाधन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के	आईआईएम,	25-28 अप्रैल, 2017

	लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम	अहमदाबाद	
19	अंतर्राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन	तिरूअनंतपुरम	23-24 जनवरी, 2018
20	धारणीय जल विकास पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	चंडीगढ़	10-11 दिसम्बर, 2018
21	नदी स्वास्थ्य- मरम्मत के लिए मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	आईआईटी, बीएचयू	14-16 फरवरी, 2019
22	अंतर्राष्ट्रीय ई फ्लो पर कार्यशाला	नई दिल्ली इंडिया-ई. यू भागीदारी	21-22 अक्टूबर, 2019
23	''धारणीय जल विकास'' पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	पुणे, एनएचपी, जल शक्ति मंत्रालय	5-8 नवम्बर, 2019

(ख) विदेश में

1	यूएसए को शामिल करते हुए रीवर साइड टेकनोलॉजी द्वारा विकसित फ्लैश वार्निंग सॉफ्टवेयर ''रिवरवेयर सेंट्री'' पर प्रशिक्षण	फोर्ट कोलिंस कोलोराडो, यूएसए	21-25 जनवरी, 2008
2	बांध सुरक्षा एवं प्रबंधन मुद्दों पर जापान में एक्सपोजर विजिट	जापान	7-12 मार्च, 2016
3	बांध सुरक्षा एवं जलाशय प्रबंधन पर प्रशिक्षण	डेलटेयर्स (नीदरलैंड, स्पेन, स्विटजरलैंड	15-26 मई, 2017

(ग) विदेशी असाइनमेंटस

(वाप्कोस (इं) लिमिटेड टीम के एक भाग के रूप में)

- जिम्बाब्वे में अंतिम छोर तक उपयोग करने के लिए बुनियादी ढ़ांचे (सिंचाई) के विकास सहित ग्रामीण विद्युतीकरण के संभाव्यता अध्ययन के लिए सिंचाई एवं जलापूर्ति विशेषज्ञ के रूप में जुलाई-अगस्त, 2002 में दो महीनों के लिए जिम्बाब्वे का दौरा।
- टीम के सिंचाई और जल आपूर्ति विशेषज्ञ के रूप में दिसम्बर 2002 में दो सप्ताह के लिए अफगानिस्तान में अमीर गाजी बांध एवं क्वारहा बांध का दौरा किया तथा दो बांधों का लागत आकलन उनकी जल आपूर्ति प्रणाली और उनके परिमाण बिलों सहित उपचारात्मक सुझाव एवं पुनर्वास की योजना तैयार की।
- जनवरी 2005 में 2 सप्ताह के लिए जल विज्ञानी विशेषज्ञ के रूप में कोगा सिंचाई एवं वाटरशेड परियोजना के लिए इथोपिया का दौरा किया और परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव एवं इसके प्रबंधन का अध्ययन किया।

10. प्रकाशन

- ''कुछ डिजाइन पहलू- साबरमती कैनाल साइफन''- भागीरथ, केन्द्रीय जल आयोग 1996
- ''बाढ़ तीव्रता में विश्लेषण में एल-मोमेंट'' जल संस्थान, केन्द्रीय जल आयोग 1998
- ''गोदावरी बेसिन का जल विज्ञानी अध्ययन'' वाप्टेक-2004
- नागार्जुन सागर टेलपांड बांध के लिए बांध टूट विश्लेषण एवं आपदा प्रंबधन योजना वाप्टेक-2004
- हिमाचल प्रदेश के मंडी में 4-5 जून 2007 में ''हिमाचल प्रदेश में पर्यावरणीय भू जोखिम प्रबंधन एवं शमन रणनीति'' पर आयोजित कार्यशाला में ''केन्द्रीय जल आयोग

द्वारा सतलुज नदी पर वास्तविक आंकड़ा अधिग्रहण नेटवर्क का क्रियान्वयन एवं बाढ़ चेतावनी प्रणाली'' विषय पर दस्तावेज प्रस्तुत किया।

- 11-12 जनवरी 2008 को चंडीगढ़ में आयोजित ''राष्ट्रीय हिम विज्ञान कार्यशाला'' में ''केन्द्रीय जल आयोग द्वारा हिम जल विज्ञान अध्ययन'' दस्तावेज प्रस्तुत किया।
- 29-30 सितम्बर 2011 को सीबीआईपी द्वारा आयोजित बांध सुरक्षा प्रबंधन पर कार्यशाला में ''भारत में बांधों का जल विज्ञानी सुरक्षा''
- ''भारत में बांधों की जल विज्ञानी सुरक्षा'' भारत जल सप्ताह-2012
- नवम्बर 2013 में डिजाइन बाढ़ मुद्दों पर कार्यशाला में ''डिजाइन बाढ़ संश्लेषण''
- नवम्बर 2013 में आयोजित डिजाइन बाढ़ मुद्दों पर कार्यशाला में ''डिजाइन बाढ़ मानदंड की समीक्षा''
- भारत जल सप्ताह-2015 में ''जल विज्ञानी डिजाइन ऐड्स (एसडब्ल्यु) का विकास- एक अवलोकन''
- भारत में बड़े नदी बेसिनों के लिए संभव अधिकतम वारिश के एटलस तैयार करना- भारत जल सप्ताह- 2015
- न्यूनतम पर्यावरणीय/पारिस्थितिकीय बहाव- केन्द्रीय जल आयोग के विचार, भारत जल सप्ताह- 2015
- डिजाइन बाढ़ पर डिजाइन स्टॉर्म अवधि का प्रभाव, प्रथम अंतर्राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन- 2015
- अलमट्टी बांध की डिजाइन बाढ़ समीक्षा, दूसरा राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन- 2016
- डिजाइन बाढ़ पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को शामिल करना, धारणीय जल प्रबंधन पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- 2018
- सीएडीडब्ल्युएम के क्रियान्वयन में संबंधित मुद्दे और चुनौतियां, दूसरा सीएडीडब्ल्युएम सम्मेलन, 28 मई 2019
- गंगा बेसिन में ई. बहाव के क्रियान्वयन में चुनौतियां, छठा भारत जल सप्ताह, 2019 सितम्बर 2019

11 व्यावसायिक सोसाइटियों की सदस्यता

- भारतीय जल संसाधन सोसाइटी
- भारतीय भू तकनीकी सोसाइटी, दिल्ली चैप्टर।
- इंडियन सोसाइटी फार रॉक मैकेनिक्स एंड टनलिंग।